साँवरा है तो मुमकिन है | By Sardar Romi

सांवरा है तो मुमकिन हैं

हर रात दिवाली है मेरी होली हर एक दिन है
हो सांवरे तू है तो मुमकिन है

जब जब तेरी चौखट कोई सर आकर झुक जाए
उस प्रेमी की खातिर वक़्त का पहिया रुक जाए
मरते हुए प्रेमी को भी मिल जाता जीवन है
ओ सांवरे तू है तो मुमकिन है

तूफानों में नाव चले पतझड़ में फूल भी खिल जाएँ
बीच भवर में डोल रही नैया को किनारा मिल जाये
तुझ जैसा गर मांझी हो तो मुझको क्या ग़म है
ओ सांवरे तू है तो मुमकिन है

चाहे जैसी कठिन घडी तेरी कृपा से टल जाए
तेरी राह पे चलके बाबा हर एक मंज़िल मिल जाए
तेरे होते रोमी को ना रहती उलझन है
ओ सांवरे तू है तो मुमकिन है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-sardar-romi/